मरहूम साहित्यकारों को वाणी प्रकाशन का नमन

रितु गुप्ता, नई दिल्ली

प्रगति मैदान के हॉल 12-12ए में लगा वाणी प्रकाशन का स्टॉल बेहद आकर्षक तरह से सजाया गया है।

साहित्य जगत में अपना अमूल्य योगदान देकर अमर हो जाने वाले कवियों, लेखकों, आलोचकों को सम्मान व भावपूर्ण श्रद्धाजंलि देने के लिए वाणी प्रकाशन ने अपने स्टॉल के बाहर बीते सालों में गुजरे हिंदी के महान साहित्यकारों जैसे मनोहर श्याम, नागार्जुन, अज्ञेय, निर्मल वर्मा, केदारनाथ सिंह आदि के कट-आउट्स लगाए हैं।

जिन्हें मेले में खरीदारी करने आने वाले लोगों खूब पसंद कर रहे है।

लोग इन कट-आउट्स के साथ खड़े होकर खूब फोटो खिंचवा रहे हैं।

खूब बिकी धार्मिक किताबें

सिमरन शर्मा, नई दिल्ली

दिल्ली पुस्तक मेले में तमाम धर्मप्रचारक संगठनों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए हैं। जिनमें विशेषकर हरियाणवीं, बंगाली, पंजाबी, मलयाली, संस्कृत, मैथली आदि भाषाओं की पुस्तकों की स्टॉल बड़े आकर्षक तरीके से सजायी गई हैं।

इन स्टालों पर अपने धर्म व क्षेत्र से जुड़ी पुस्तकों की आडियों, सीडी आदि बेचकर अपने लोगों के बीच अपने धर्म का प्रचार का काम हो रहा है।इसाई धर्म के प्रचारक मुफ्त में लोगों को बाईबल दे कर अपने धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इस बार धार्मिक किताबें छापने वाले तकरीबन 30 प्रकाशकों का मेले में स्टाल लगा हुआ है।

दिल्ली गुरुद्वारा ट्रस्ट के स्टॉल के पुस्तक विक्रेता ने बताया कि इस बार धार्मिक किताबें खूब बिक रही हैं। नवयुग प्रकाशक बुक स्टॉल के विक्रेता निरंजन ने बताया कि दिल्ली में पंजाबी ज्यादा हैं और वह अपनी भाषा में किताबें पढ़ना पसंद करते है उनके लिए विशेषकर पंजाबी में किताबें आई हुई हैं।

युवाओं को लुभा रही गीता प्रेस की पुस्तकें

सौन्दर्या द्विवेदी,नई दिल्ली

दुनिया भर के लोगों के लिए आध्यात्मिक तथा धार्मिक साहित्य की अविरल धारा प्रवाहित करते आ रहे गीता प्रेस की ख्याति उसकी सरल, सुगम छपाई वाली उन कम मूल्यों वाली पुस्तकों से है जो हर साल बिक्री में अपना कृतिमान तोड़ देती है।

बता दें कि शनिवार को 27वां विश्व पुस्तक मेला शुरू हो गया है। इस बार मेले में कई नए प्रकाशकों ने हिस्सा लिया। एनबीटी, आर्या पब्लिकेशन, गीता प्रेस और अन्य कई बुक स्टॉल में लोगों का जमावड़ा देखने को मिला। इस बार मेले में युवाओं की अच्छी तादाद मिली ।

ये युवा न केवल राजनैतिक,सामाजिक बल्कि धार्मिक स्टाल पर भी जाते दिख रहे है। गीता प्रेस स्टॉल पर किताब खरीद रहे अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के छात्र दिलीप बताते हैं कि उन्हें धार्मिक पुस्तकों में रूचि है और मैं गीता प्रेस स्टॉल से गीता और धर्म दर्शन की किताबे ले जा रहा हूँ ।

वहीं दूसरी तरफ रामायण की किताब को उलटती रुचिका (२४) का कहना है की उनकी दिलचस्पी ऐसे किताबों में अधिक है। वो बताती है कि तुलसीदास की रामायण पढ़ चुकी हूँ अब वाल्मीकि की रामायण पढ़ने जा रही है ये जानने के लिए कि दोनों में अलग क्या है ?

किताब विक्रेता शशि कुमार बताते हैं की इस बार रामायण और महाभारत की किताब युवा वर्ग ज्यादा खरीद रहा है।

माइथॉलजिकल स्टोरी को अपने अलग अंदाज़ में पेश करने वाले यंग लेखक की बदौलत आज के युवा न केवल महाभारत बल्कि पुराणों की ऐसी कहानियों से रूबरू हो रहे, जिनके बारे में पुरानी पीढ़िया भी नहीं जानती।

आकर्षण का केंद्र बना 'बोलती रामायण'

सुनिधि सिंह , नई दिल्ली

बोलती रामायण के रूप में एक अनूठा डिवाइस पुस्तक मेला में है जिसमें रामचरित मानस के बालकांड से लेकर उत्तरकांड तक के दोहे और चौपाइयों की संगीतमय रिकार्डिंग की गई है। 21 घंटे की बोलती रामायण है यह। इसको सुर दिया है अजय मूंदड़ा ने।

एक बटन दबाने भर से संगीतमय स्वर में बोलती रामायण को सुना जा सकता है।

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज़ यह डिवाइस मेले में आकर्षण का केंद्र बना। यह स्टाल नंबर147 पर उपलब्ध है। इसके प्रचार प्रसार में लगे माहेश्वरी दम्पति अभय और श्रीकांता का दवा है कि 2016 से लेकर अभी तक 28 हज़ार घरों में पहुंचा चुके हैं।

माहेश्वरी दम्पति बताते है की आज की भागदौड़ भरी ज़िन्दगी में रामायण के संस्कार ही जीवन को सुखमय पुस्तक घर में होने के बावजूद भी लोग इसे पढ़ते नहीं।

राम का नाम ले मुश्किल होता जा रहा है. इस समस्या का समाधान है बोलती रामायण।

वहीं बोलती रामायण के खरीददार अक्षय पुरोहित ने बताया कि "यह बहुत अच्छी डिवाइस है।

हम अक्सर घर में रामायण का पाठ करते है सुख शांति के लिए। पाठ के लिए मंडली को बुलाना पड़ता है जिसमे समय के साथ साथ पैसे भी खर्च होते है और काम भी बढ़ जाता। अब इस डिवाइस को लेने के बाद सब चीज़ की बचत होगी।

"श्री सीमेंट के चेयरमैन समाजसेवी बेनु गोपाल जी बांगाड़ की परिकल्पना से ये रामायण गायन करवाया गया।

कटआउट की शक्ल में नरेंद्र मोदी पर किताब

सिमरन शर्मा, नई दिल्ली

दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में नवरंग प्रिंटर्स की स्टॉल लगी है। जिसमें दूर से नरेंद्र मोदी का कटआउट नज़र आ जाता है।

किताब के लेखक व प्रकाशक अपूर्व शाह ने बताया कि लोग इसे देखकर कर सोचते है कि यह सिर्फ मोदी का कट आउट है

लेकिन जब हम लोगों को बताते है कि यह एक किताब है तो वह आश्चर्यचकित हो जाते है।

शाह ने कहा कि इस बुक की खासियत यह है कि इसे मोदी के व्यक्तित्व को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

मोदी की लंबाई 5.7 है उतनी ही लंबाई किताब की है।

इस किताब में 68 पेज हैं जो मोदी की उम्र के बराबर है।

मोदी का वजन 77 किलो है उसी के बराबर इस किताब का ढाचा है।

यह पूरी किताब मैंने खुद बनाई है। पुस्तक के छोटे संस्करण की कीमत 250 है।

किसी ने भी आजतक मोदी के विचार और भाषण के संकलन को एक साथ नहीं लिखा।

मैंने उनके विचार और भाषण को एक साथ रख कर

इस बुक को तैयार किया है जिससे मोदी के सकारात्मक विचार लोगों तक पहुंच सकें।

बौनों के नुक्कड़ नाटक ने बटोरी तालियां

अमानुल्लाह यूसुफी, नई दिल्ली

27वें वर्ल्ड बुक फेयर की थीम दिव्यांगजनों की पठन आवश्यकताएं रखी गयी है

लघु नाटक के कलाकारों ने दिव्यांगों व छोटे कद-काठी के लोगों के अधिकार के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य लघु कथा की टीम ने नुक्कड़ नाटक किया। अभिषेक कुमार ने दिव्यांगों के अधिकार के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। इस दौरान सोनू बौना आकर्षण का केंद्र बना रहा। सोनू बौना की एक झलक पाने के लिए लोगों में होड़ लगी रही। दरअसल बौने लोगों का नाट्य समूह बनाने की शुरुआत 2008 में हुई ।इस दौरान उन्हें 70 ऐसे लोग मिले, लेकिन उसमें से केवल 30 ही नाटक करने के लिए तैयार हुए।नाटक की कलाकार पवित्रा राभा कहती हैं, " जब नाटक नहीं करती थी तो घर में बैठे-बैठे सोचती थी कि भगवान ने सिर्फ हमें ही ऐसा क्यों बनाया। लेकिन नाटक में आए तो अपने जैसे इतने सारे लोगो को देखा मिले। नाटक करने के बाद अब दिल में कोई तकलीफ़ नहीं लगती." कभी-कभी मां बाहर जाने से मना करती है। गांव के लोग मां से पूछते हैं कि बेटी दूर-दूर शूटिंग करने कहां जाती है? ऐसे में मैं मां से बोली कि दूसरों की बात मत सुनो।

विदेशी प्रकाशन भी मौजूद रहा मेले में

अभिषेक भारद्वाज, नई दिल्ली

मेला के कक्ष 7 में में विदेशियों के लिए अलग कांउटर लगाऐ गय है।यहाँ पर विदेशी भाषा के उपन्यास व किताबे मौजूद है। यह उन लोगों के लिए भी एक अच्छा अवसर है जो विदेशी भाषा पढना व सिखना चाहते है। विश्व पुस्तक मेले में संयुक्त अरब अमीरात के मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया है।

यूएई के अलावा 27 अन्य देशो ने भी हिस्सा लिया है जैसे ईरान,इराक,मिस्त्र,फ्रासव पोलैंड आदि देशों के भी कांउटर मौजूद है।

भारत में यूएई राजदूत ने लोगों से संवाद के दौरान कहा की पुस्तको और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से कला और संस्कृति के जानने और समझने का अवसर मिलते है।

इस दौरान उन्होने ने हिंन्दी और अंग्रेजी में यूएई के शाहजान डॉ शेख सुल्तान बिन मुहम्मद अल कासिम के जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। और बताया की 57 अरबी किताबे व उपन्यास का हिन्दी भाषा में विमोचन किया।

लेआउट-रितु, सुनिधि और श्रेय; हिन्दी संवाददाता- अनुभव ,सौन्दर्या, अमानुल्लाह, अभिषेक, केतन, सिमरन; मेंटर - राजीव सिंह / सिंधु झा